RAJYA SABHA

Tuesday, 16th December 1958

The House met at eleven of the clock, MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

१९५६-५७ और १९५७-५८ के लिये रोड माईलेज और खर्च सम्बन्धी आंकड़े

*४१५. **श्री राम सहाय** : क्या **परिवहन तथा संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या १९५६-५७ तथा १९५७-५८ के लिये रोड माइलेज तथा उसकी लागत सम्बन्धी आंकड़े जो राज्य सरकारों से मंगाये गये थे तथा उनसे आने थे, प्राप्त हो गये हैं ? यदि नहीं, तो क्यों ?

||[**ROAD MILAGE AND EXPENDITURE STATISTICS FOR 1956-57 AND 1957-58**

•415. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state whether the statistics regarding road milage and its cost for the years 1956-57 and 1957-58, which were asked from State Governments and which were due, have been received? If not, why not?]

परिवहन तथा संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राज बहादुर) : अब तक सब राज्यों से सूचना नहीं मिल सकी है । राज्यों के स्तर पर इन आंकड़ों को इकट्ठा करने में समय लग जाता है; क्योंकि यह सूचना सार्वजनिक निर्माण विभाग के अफसरों एवं स्थानीय स्वायत्त शासन संस्थाओं (लोकल बोडीज) से एकत्रित करनी पड़ती है ।

t[THE MINISTER OF STATE IN CHE MINISTRY OF TRANSPORT AND :OMMUNICATIONS (SHRI RAJ .BAHADUR): The information has not been received from all States so far. The compilation of the data at the State level takes time as the information has to be collected from the various Public Works Department officers and Local Bodies.]

SHRI M. P. BHARGAVA: May I know, Sir, how many States have sent their replies?

SHRI RAJ BAHADUR: The information for 1956-57 is as follows:

From 7 States and 2 Union Territories information in regard to expenditure has been received; partial information has been received from 5 States; and no information has been received so far from 3 States.

श्री राम सहाय : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि आपका विचार कितने मील प्रतिवर्ष इस प्रकार की सड़क तैयार करने का है ?

श्री राज बहादुर : द्वितीय पंचवर्षीय योजना में नेशनल हाई वेज के सम्बन्ध में अथवा अन्य सड़कों के सम्बन्ध में जो लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं, उनको पूरा करने की कोशिश की है ।

श्रीमती सावित्री निगम : क्या मैं यह जान सकती हूं कि रोड रिसर्च इंस्टिट्यूट के द्वारा जो नई टैकनीक और नये तरीके निकाले गये हैं, जिनसे खर्चा बहुत कम हो जाता है, वे तरीके नई रोड्स के बनाने में किन-किन स्टेट्स में अपनाये जाने वाले हैं ?

श्री राज बहादुर : रोड रिसर्च इंस्टिट्यूट के द्वारा जो अनुसंधान होता है, उसमें सड़कों के बनाने में जो लाभ लिया जा सकता है, वह लिया जाता है । अभी यह नहीं कहा जा सकता है कि सस्ती सड़क बनाने के पूरे तरीके पक्के कर लिये गये हैं । जो थोड़े बहुत तरीके निकले हैं, उनको पूरे तौर पर अमल में नहीं लाया गया है । वह अभी इम्तिहान अथवा एकसपेरीमेण्टल (experimental) रूप में इस्तेमाल किये गये हैं ।

t[ ] English translation. *C*

RSD—1.

SHRI H. V. TRIPATHI: On the basis of the reports received as yet, has any attempt been made to note the road milage and the cost of road construction on an average?

SHRI RAJ BAHADUR: The statistics collected are on two bases: first, in regard to road milage; second, in regard to expenditure. The expenditure incurred per mile on a road normally depends upon the type of terrain and the type of road.

श्रीमती सावित्री निगम : अभी मंत्री महोदय ने फरमाया कि सस्ती रोड बनाने का तरीका नहीं निकला है, लेकिन क्या उनको यह विदित है कि इसी सस्ते तरीके से पंजाब स्टेट में आलरेडी कई एक रोड्स बन चुकी हैं ?

श्री राज बहादुर : मैं कह रहा हूं कि जो तरीका निकला है, वह पूरी तरह अमल में नहीं आ पाया है । थोड़ा बहुत अमल में आया है, यह मैंने निवेदन किया ।

श्री राम सहाय : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जिन स्टेट्स के जवाब आ गये हैं, उनके बारे में कोई कार्यक्रम आपने निश्चित किया है ?

श्री राज बहादुर : मैंने सन् १९५६-५७ के आंकड़े बताये । राज्य सरकारों से आंकड़े मंगाये जायें, सूचनायें मंगाई जायें, इसका बराबर प्रयत्न होता है, जो चीफ इंजीनियर्स की सभा होती है उसके द्वारा भी प्रयत्न किया जाता है और रिमाइंडर्स के द्वारा भी ।

श्री राम सहाय : मेरा निवेदन यह है कि जिस उद्देश्य से आपने आंकड़े मंगाये, उस उद्देश्य की पूर्ति के लिये आपका कार्यक्रम, जिन स्टेट्स से आंकड़े आ गये हैं, उनमें शुरू हो जायगा या इन्तजार रहेगा ?

श्री राज बहादुर : देश में इस सड़क निर्माण विभाग से जो लोग सम्बन्धित हैं या दिलचस्पी रखते हैं, उनको जानकारी रहे, इसलिये ये आंकड़े एकत्रित किये जाते हैं ।

SCHEMES FOR IRRIGATION AND FLOOD CONTROL IN UTTAR PRADESH

•416. SHRIMATI SAVITRY DEVI NIGAM: Will the. Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state the total cost of the various schemes for irrigation and flood control submitted to the Central Government by the Government of Uttar Pradesh in the year 1957-58?

THE DEPUTY MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (SHRI J. S. L. HATHI) : No new irrigation project, medium or major, nor any new flood control scheme was submitted by the Government of Uttar Pradesh to the Central Government in the year 1957-58..

SHRIMATI SAVITRY DEVI NIG AM: May I know, Sir, if in 1956-57 any scheme about the Darh'yal bund, which is in the district of Rampur, has been submitted by the U.P. Government or not?

SHRI J. S. L. HATHI: Perhaps it would not be possible for me to give information to the hon. Member about each particular scheme and when it was submitted; but we have laid on the Table ot the House a statement showing the various schemes, the expenditure proposed, etc. that might give,the information.

SHRIMATI SAVITRY DEVI^NIGAM: May I know, Sir, if the Government is aware that this Darhiyal river is causing havoc to a very large population every year and whether the U.P. Government has been pressing for this scheme for the last four years?

SHRI J. S. L. HATHI: I require notice for that.

DEVELOPMENT OF MANGALORE AS AN ALL-WEATHER PORT

•417. SHRI B. SHD/A RAO: Will the Minister of TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that negotiations are being conducted with a